BRIEF OUTLINE OF PROPOSED PROJECT WORK.

PAPER NAME- DISSERTATION

SUBJECT- GEOGRAPHY

SEMESTER - M.A. IV.

PAPER CODE - (GEOG.404)

UNIVERSITY DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

DR. SHYMA PRASAD MUKHERJEE UNIVERSITY

RANCHI

Scanned with CamScanner

शोध प्रबंध

वह दस्तावेज जो किसी शोधार्थी द्वारा किए गए शोध को विधिवत प्रस्तुत करता है। शोध प्रबंध (Dissertation) कहलाता है। इसके आधार पर शोधार्थी को कोई डिग्री या व्यावसायिक सर्टिफिकेट प्रदान की जाती है।

यह विश्वविद्यालय से शोध उपाधि प्राप्त करने के लिए लिखा जाता है। इसे एक ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सरल भाषा में कहें तो M.Phil अथवा PhD की डिग्री के लिए किसी स्वीकृत विषय पर तैयार की गई किताब जिसमें तथ्य संग्रहित करते है तथा उनके आधार पर किसी निष्कर्ष तक पहुँचने की कोशिश की जाती है। यह आलोचनात्मक तो होता है किंतु उससे थोड़ा भिन्न भी होता है। डॉ. नागेन्द्र के शब्दो के सहारे कहे तो एक अच्छा शोध प्रबंध एक अच्छी आलोचना भी होती है।

मनुष्य की आंतरिक जिज्ञासा सदा से ही अनुसंधान का कारण बनती रही है। अनुसंधान खोज, अन्वेषण एवं शोध पर्यायवाची है। शोध में शोधार्थी के सामने तथ्य मौजूद होते है उसे उसमें से अपनी सूझ व ज्ञान द्वारा नवीन सिद्धियों को उद्घाटित करना होता है।

Scanned with CamScanner

शोध प्रबंध की विशेषताएँ :—

1. यह एक स्वतंत्र कार्य होता है अर्थात् किसी नए विषय या ज्ञान अथवा प्राप्त जानकारी या ज्ञान में ही और अधिक नई जानकारी या ज्ञान प्राप्त करने हेतु किया गया कार्य।
2. यह शोधकर्ता के विस्तृत ज्ञान तथा समझ को दर्शाता है। इसमें कम से कम 35 संदर्भ तथा अधिकतम 100 संदर्भ शामिल हो सकते हैं।
3. यह विश्लेषणात्मक तथा आलोचनात्मक दोनों दृष्टिकोण को दर्शाता है।
4. यह शैक्षणिक ज्ञान की वृद्धि में सहायक होता है।
5. इसमें उच्च स्तर के संवाद सम्मिलित होते हैं।
6. यह वास्तविक या मौलिक कार्य अथवा मौलिक शोध का प्रदर्शन करता है।
7. यह एक शैक्षणिक शोध कार्य होता है। इसीलिए इसमें स्वीकृत अथवा मान्यता प्राप्त शैली का प्रयोग करना आवश्यक होता है।

Scanned with CamScanner

शोध विषय का चयन :-

अनुसंधान कार्य का विषय चयन करते समय सतर्कता रखनी अनिवार्य है। जिससे योग्य विषय पसंद होने से कार्य की उपयोग्यता और मुल्य बढ़ता है तथा किए हुए कार्य की सामाजिक उपलब्धि होती है। वैसे तो अनुसंधान का अर्थ पुन: संशोधन ही तो है। फिर भी विषय चयन करते समय निम्न रूप से ध्यान रखना चाहिए।

1. विषय अनुसंधान करने योग्य होना चाहिए।
2. रुचि के अनुरूप विषय चयन करना चाहिए।
3. निष्णांत मार्गदर्शक का मार्गदर्शन लेना चाहिए।
4. विविध शोध प्रबंध के नमूने रूप ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए।
5. सामान्यत: अभ्यास समय के खुद के शास्त्र के अनुसार विषय हो तो अच्छा है।
6. विषय की उपयोग्यता का ध्यान रखना चाहिए।
7. यू॰ जी॰ सी॰ द्वारा प्रदत्त निर्देश का ध्यान रखते हुए विषय चयन करना चाहिए।
8. विषय की पुनरावृत्ति नहीं होना चाहिए।
9. नियत समय मर्यादा में कार्य पूरा होना चाहिए यह सोचना बहुत जरूरी है।
10. साधनों की तथा संदर्भी सामग्री की उपलब्धता का ध्यान रखना चाहिए।

Scanned with CamScanner

शोध प्रबंध के मुख्य उद्देश्य :—

1. शोध समस्या का निर्माण करना सीखना।
2. गहन साहित्य सर्वेक्षण द्वारा शोध हेतु उपयुक्त विषय का चयन करना।
3. उप कल्पना का निर्माण करने की प्रक्रिया से अवगत होना।
4. शोध प्रबंध में शोध प्रारूप की प्रक्रिया को जानना।
5. निदर्शन प्रारूप निर्धारण को समझना।
6. आंकड़ा संकलन की विधि से अवगत होना।
7. प्रोजेक्ट का सम्पादन करना सीखना।
8. आंकड़ों का विश्लेषण करने का ज्ञान अर्जित करना।
9. उप कल्पनाओं का परीक्षण करना।
10. सामान्यीकरण और विवेचन करना।
11. रिपोर्ट तैयार करना या परिणामों का प्रस्तुतिकरण यानी निष्कर्षों का औपचारिक लेखन लिखने की कला को सीखना।

Scanned with CamScanner

प्रबंध प्रस्ताव से आशय :—

शोध प्रबंध एक अप्रत्यक्ष रूप में सक्रिय कार्य करने की विधि है जो संगठित रूप से एक विषय के बारे में क्रमबद्ध विस्तृत एवं नयी जानकारी प्राप्त करने के लिए सहायता प्रदान करता है। सामान्यत: ऐसे विषय का चयन किया जाता है। जिस पर पूर्व से अधिक अध्ययन न किया गया हो अथवा ऐसी समस्या का चुनाव करें जिस पर पूर्व से अध्ययन तो हुआ हो परंतु उस विषय में शोध का उद्देश्य भिन्न हो अथवा समस्या का स्वरूप परिवर्तित हो।

शोध प्रबंध प्रस्ताव / परियोजना कार्य कब प्रारंभ किया जाए

* अपनी रुचि के शोध विषय (Research topic) का चयन करें।
* अध्ययन केन्द्र पर अपने शैक्षिक परामर्शदाता / पर्यवेक्षक से मार्गदर्शन प्राप्त करना होगा।
* पर्यवेक्षक से संतुष्टि प्राप्त करें।
* अध्ययन करना। (Conducting the study)
* प्रतिवेदन तैयार करना।
* अपने पर्यवेक्षक से समय - समय पर सलाह एवं मार्गदर्शन प्राप्त करें।

Scanned with CamScanner

शोध प्रबंध प्रस्ताव लिखने हेतु प्रारूप :-

1. शीर्षक का चुनाव (Selection of Topic):- सर्वप्रथम शोध प्रबंध प्रस्ताव बनाने हेतु एक शोध शीर्षक का चुनाव करना चाहिए जो समसामयिक समस्याओं से सम्बन्धित हो। जैसे शिक्षा एवं आर्थिक रूप से लाभ पूर्ण कार्यों द्वारा गली के बच्चों का सशक्तिकरण।

2. उपकल्पना का निर्माण (Formation of Hypothesis):- शोध परियोजना परियोजना हेतु समस्या के आधार पर परिकल्पना का निर्माण करना चाहिए।

3. अध्ययन के उद्देश्य (Objective of the Study):- अध्ययन के उद्देश्य को स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए कि उक्त अध्ययन को किए जाने के पीछे आपका उद्देश्य क्या है तथा आप इस अध्ययन को किन उद्देश्यों की पूर्ति करना चाहते है।

4. अध्ययन हेतु प्रयोग प्रविधि (Methodology for Study):- प्रस्तुत शोध अध्ययन में कौन-कौन सी शोध प्रविधियों का प्रयोग करेंगे। यहाँ पर आपको उन प्रयोग की जाने वाली विधियों को स्पष्ट एवं विस्तार से वर्णन करना होगा।

5. शोध प्ररचना (Research Design):- शोध प्रविधि में कौन सी शोध प्ररचना का प्रयोग करेंगे जो आपके शोध कार्य की प्रकृति एवं उद्देश्यों को फलीभूत करेंगे, उसके बारे में चर्चा करना चाहिए एवं परिभाषा देनी चाहिए।

Scanned with CamScanner

6. समग्र एवं निदर्शन (Universal and Sampling):- शोध कार्य का समग्र एवं निदर्शन क्या होगा। उसके बारे में चर्चा करना चाहिए एवं परिभाषा देना चाहिए।

7. तथ्य एकत्रित करने की तकनीक (Technique of Data Collection) शोध अध्ययन में अध्ययन करने हेतु दो विधियों का प्रयोग करते हैं।

- प्राथमिक तथ्य
- द्वितीयक तथ्य

- प्राथमिक तथ्य एकत्रित करने की विधि (Primary methods of Data Collection):-

  * अवलोकन
  * प्रश्नावली
  * अनुसूची
  * साक्षात्कार
  * वैयक्तिक अध्ययन

- द्वितीयक तथ्य एकत्रित करने की विधि (Methods of Secondary Data Collection)
द्वितीयक तथ्य वे तथ्य होते हैं जो विभिन्न किताबों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों इत्यादि के माध्यम से एकत्रित किये जाते हैं. इनका स्पष्ट निरूपण होना चाहिए।

8. सारिणीकरण, तथ्य विश्लेषण व्याख्या एवं प्रतिवेदन :- (Tabulation, Interpretation and Report writing)
शोध प्रबंध प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से वर्णन करना चाहिए कि शोध अध्ययन में किस प्रकार के सारिणी का प्रयोग करेंगे, तथ्यों का कैसे विश्लेषण करेंगे उनकी व्याख्या कैसे करेंगे तथा उनका प्रतिवेदन करेंगे।

Scanned with CamScanner

नोट — इस प्रकार उपरोक्त शीर्षकों के अन्तर्गत शोध प्रबंध प्रस्ताव तैयार कर पर्यवेक्षक को प्रस्तुत करना चाहिए तथा पर्यवेक्षक के अनुमोदन के पश्चात् अपना शोध कार्य शुरू करना चाहिए।

Outline of Dissertation (शोध प्रबंध हेतु प्रारूप)

शोध प्रबंध लिखने के लिए सबसे पहले आवश्यक होता है कि अध्ययीकरण के अनुसार प्रतिवेदन किया जाए। इस प्रकार शोध प्रबंध तैयार करने हेतु अग्रलिखित शीर्षक दिये जा रहे हैं;—

- **प्रस्तावना (Introduction);**— इसमें शोध अध्ययन शीर्षक से संबंधित तथ्यों को विस्तृत रूप से लिखना चाहिए तथा जो साहित्य जहाँ से लिए गए है उनका भी संदर्भ सूची में वर्णन करना चाहिए।
- **शोध अध्ययन की उपयुक्तता व उद्देश्य (Objective and relavance of Research study);**— इसमें शोध अध्ययन की उपयुक्तता तथा उद्देश्यों का स्पष्ट रूप से वर्णन करना चाहिए।
- **साहित्य का पुनरावलोकन (Review of Literature);**— शोध अध्ययन का प्रतिवेदन करने में साहित्य पुनरावलोकन का महत्वपूर्ण स्थान है अतः शोध अध्ययन प्रतिवेदन में पूर्व में हुए अध्ययनों का वर्णन सांख्यिकीय तथ्यों के साथ करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

- **शोध प्रविधि (Research Design)**;— शोध अध्ययन प्रतिवेदन में विस्तृत रूप से शोध प्रविधि का वर्णन करना चाहिए। जिसमें शोध प्रश्नावली शोध निदर्शन तथा तथ्यों के एकत्रीकरण के बारे में भी वर्णन करना चाहिए।
- **उत्तरदाताओं का पार्श्व चित्र (Profile of respondents)**;— इस अध्याय में शोध से संबंधित तथ्यों के आधार पर उत्तरदाताओं का पार्श्वचित्र देना चाहिए जिसमें चित्रों, ग्राफों का भी प्रयोग किया जा सकता है।
- **उत्तरदाताओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति (Social and Economic Condition of respondents)**;— इस अध्याय में उत्तरदाताओं से संबंधित उन सभी तथ्यों का वर्णन करना चाहिए जो उनकी आर्थिक, सामाजिक स्थिति से संबंधित है।
- **उत्तरदाताओं की समस्यायें एवं उनके सुझाव (Respondent's problems and their Suggestion)**;— इस अध्याय में उत्तरदाताओं की समस्याओं को वर्णन करना चाहिए तथा उनके सुझावों को भी स्थान देनी चाहिए।

निष्कर्ष (Conclusion);— इसके अंतर्गत शोध अध्ययन में महत्वपूर्ण तथ्यों को दिया जाना चाहिए जिससे शोध अध्ययन की एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की जानी चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची / संदर्भ सूची (References):—
शोध प्रबंध में जो भी तथ्य द्वितीयक स्त्रोतों से लिये जाते है उनका विवरण संदर्भ ग्रंथ सूची में देना चाहिए।

Scanned with CamScanner